अंक – 52 27.08.2025 बुधवार

कैमूर चेतना सत्र

बिहार शिक्षा परियोजना कैमूर द्वारा सभी विद्यालयों के लिए प्रकाशित

27 अगस्त 2025 बुधवार

समाहरणालय कैमूर

कैमूर अंक- 52

- संपादकीय
- हमारे प्रेरणा स्रोत
- प्रार्थना
- बिहार राज्य गीत
- संविधान की प्रस्तावना
- राष्ट्रगान
- आज का सुविचार
- रोचक तथ्य
- दिवस विशेष
- सामान्य ज्ञान
- शब्द ज्ञान
- तर्क ज्ञान
- कंप्यूटर ज्ञान
- प्रेरक प्रसंग
- बूझो तो जाने
- विभागीय सूचना

संपादकीय

कैमूर चेतना - सत्र

शुभकामना संदेश

कार्यालय
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी
(स्थापना, एस.एस.ए.,माध्यमिक शिक्षा)
कैमूर (भभुआ)

"कैमूर चेतना सत्र" पत्रिका, शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक संसाधन के रूप में प्रस्तुत की गई है। यह पहल न केवल कैमूर जिले की शिक्षण परंपरा में नवाचार का संचार करती है, बल्कि ज्ञान, सृजनशीलता और सहभागिता की एक नई दिशा भी प्रदान करती है।

शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए यह आवश्यक है कि शिक्षकों को ऐसे संसाधन उपलब्ध कराए जाएँ जो उन्हें सशक्त बनाएं, अद्यतन रखें और शिक्षण को विद्यार्थियों के लिए आनंददायक बनाएं।

"कैमूर चेतना सत्र" इसी सोच का सशक्त प्रतिबिंब है। इस रचनात्मक सामग्री के निर्माण में कैमूर चेतना – सत्र निर्माण कोषांग के सदस्यों की सहभागिता अत्यंत सराहनीय है। इनका यह समर्पण निश्चित ही जिले के अन्य शिक्षकों को भी प्रेरणा देगा।

मैं इस पत्रिका की संकल्पना एवं निर्माण से जुड़ी संपूर्ण टीम को इस प्रयास के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ।

"कैमूर चेतना सत्र" भविष्य में भी शिक्षक व विद्यार्थियों — दोनों के लिए नवाचार और प्रगति का माध्यम बना रहे, यही शुभकामना है।

श्री विकास कुमार डीएन
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी , कैमूर
(एस.एस.ए , स्थापना , माध्यमिक शिक्षा)

परिकल्पना सहयोग :
चेतना - सत्र संसाधन निर्माण कोषांग
प्रकाशक :
बिहार शिक्षा परियोजना एवं शिक्षा विभाग , कैमूर

चेतना - सत्र
संसाधन सामग्री निर्माण कोषांग
सदस्य सह संपादकीय समूह

शिव कुमार गुप्ता
राजकीयकृत मध्य विद्यालय नीमी, भभुआ कैमूर

सुमित कुमार
प्राथमिक विद्यालय डारीडीह, भभुआ, कैमूर

राजेश कुमार सिंह
महाबल भृगुनाथ +2 उच्च विद्यालय कोरिगावा बहेरा , कैमूर

सभी विद्यालयों के शिक्षक 'कैमूर चेतना – सत्र' के ग्रुप में जुड़ना सुनिश्चित करें ताकि चेतना सत्र की प्रति सभी को आसानी से प्राप्त हो

कार्यालय, बिहार शिक्षा परियोजना
शिक्षा भवन , भागीरथी मुक्तावकाश मंच , भभुआ (कैमूर)
पिनकोड – 821101

ईमेल –
chetnakaimur@gmail.com

हमारे प्रेरणा स्त्रोत

बिपिन चंद्र पाल

भारतीय राष्ट्रवादी और स्वतंत्रता सेनानी

जन्म : 07 नवंबर 1858, पोइल, बंगलादेश
निधन : 20 मई 1932, कलकत्ता

बिपिन चंद्र पाल (1858-1932) जन्म 07 नवंबर 1858 मृत्यु 20 मई 1932 एक प्रमुख भारतीय राष्ट्रवादी, पत्रकार, वक्ता और लेखक थे, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. वे लाल-बाल-पाल तिकड़ी के एक सदस्य थे, जो अपने उग्र राष्ट्रवादी विचारों के लिए जाने जाते थे. उन्होंने ब्रह्म समाज आंदोलन में भाग लिया और बाद में लाला लाजपत राय और बाल गंगाधर तिलक के साथ मिलकर भारत की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया.

प्रमुख बिंदु:

जन्म और प्रारंभिक जीवन:
बिपिन चंद्र पाल का जन्म 7 नवंबर 1858 को बंगाल प्रेसीडेंसी के सिलहट जिले के पोइल गांव में हुआ था. उनके पिता एक फारसी विद्वान और जमींदार थे.

राष्ट्रीय आंदोलनों से जुड़ाव:
उन्होंने कोलकाता विश्वविद्यालय से पढ़ाई की और ब्रह्म समाज आंदोलन में सक्रिय हुए, जहाँ वे केशव चंद्र सेन जैसे नेताओं से प्रभावित हुए.

स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका:
वे लाल-बाल-पाल तिकड़ी का हिस्सा थे, जिसने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के लिए उग्र राष्ट्रवादी विचारों का प्रचार किया.

पत्रकारिता और लेखन:
उन्होंने राष्ट्रवादी दैनिक पत्र 'वंदे मातरम्' शुरू किया, जो बंगाल विभाजन के विरोध में जनता की आवाज बना.

विचारधारा:
पाल ने "सामासिक देशभक्ति" के सिद्धांत का समर्थन किया, जो भारत जैसे विविध देश के लिए उपयुक्त था.

निधन:
उनका निधन 1932 में हुआ. ।

कैमूर चेतना सत्र

विरंजक चूर्ण (ब्लीचिंग पाउडर)

अम्ल, क्षार और लवण विषय - विज्ञान , कक्षा 10

रासायनिक सूत्र : $CaOCl_2$

रासायनिक नाम : कैल्शियम आक्सी क्लोराइड

निर्माण विधि :

क्लोर क्षार प्रक्रिया में उप उत्पाद के रूप में बने क्लोरीन गैस को शुष्क बुझा हुआ चुना पर जब प्रवाहित किया जाता है तो विरंजक चूर्ण का निर्माण होता है।

$$Ca(OH)_2 \text{ Calcium hydroxide (Slaked lime)} + Cl_2 \text{ Chlorine} \longrightarrow CaOCl_2 \text{ Calcium oxychloride (Bleaching powder)} + H_2O \text{ Water}$$

उपयोग :

1. सूती एवं लिनेन कपड़ों के विरंजन में
2. रासायनिक उद्योगों में एक ऑक्सीकरक के रूप में
3. पीने वाले जल को जीवाणुओं से मुक्त करने के लिए

1. प्रार्थना

प्रार्थना

करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
हाँ, विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
तुम्ही से है आगाज़ तुम्हीं से अंजाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
हाँ, इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
तुम्हीं से है हर सुबह तुम्ही से शाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार
तुझको शत – शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करुणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरुगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत – शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार

संविधान की प्रस्तावना

"हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय; विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता; प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए, दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत दो हजार छह विक्रमी) को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।"

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब-सिन्धु-गुजरात-मराठा
द्राविड़-उत्कल-बंग
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तब शुभ नामे जागे, तब शुभ आशिष मांगे
गाहे तब जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे भारत भाग्य विधाता
जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे॥

2. आज का सुविचार

"हर असंभव कार्य करने का एक ही तरीका है, कड़ी मेहनत।

" – अज्ञात

3. रोचक तथ्य

योग का जन्मस्थान: योग का अभ्यास भारत में 5000 वर्षों से भी अधिक समय से किया जा रहा है, और यह आज भी दुनिया भर में लोकप्रिय है.

4. दिवस विशेष

राष्ट्रीय आड़ू दिवस

राष्ट्रीय आड़ू दिवस 27 अगस्त को मनाया जाता है, जो गर्मियों के सबसे स्वादिष्ट फलों में से एक, आड़ू का सम्मान करता है. यह दिन आड़ू के मौसम को मनाने और उत्पादकों के महत्व को याद करने के लिए मनाया जाता है. आप इस दिन ताज़े आड़ू खाकर या आड़ू से बनी मिठाइयाँ खाकर इसका आनंद ले सकते हैं.

राष्ट्रीय केला प्रेमी दिवस

राष्ट्रीय केला प्रेमी दिवस (National Banana Lovers Day) हमेशा 27 अगस्त को मनाया जाता है. यह दिन केले के स्वाद और बहुमुखी प्रतिभा का जश्न मनाने के लिए है, जिसे आप खाने, पकाने, और अन्य कई रूपों में उपयोग कर सकते हैं.

5. आज का इतिहास

1604- अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में आदि गुरु ग्रंथ साहिब की प्रतिस्थापना की गई।
1781 - हैदर अली ने ब्रिटिश सेना के खिलाफ पल्लीलोर का युद्ध लड़ा।
1870- भारत के पहले मज़दूर संगठन के रूप में श्रमजीवी संघ की स्थापना की गई।
1939 - जेट इंधन वाले विश्व के पहले विमान ने जर्मनी से पहली उड़ान भरी।
1976- भारतीय सशस्त्र सेना की प्रथम महिला जनरल मेजर जनरल जी अली राम मिलिट्री नर्सिंग सेवा की निदेशक नियुक्त हुई।
1999- सोनाली बनर्जी भारत की प्रथम महिला मैरिन इंजनियर बनीं।

6. सामान्य ज्ञान

प्रश्न: मतदान की न्यूनतम आयु कितनी है ?
उत्तर: 18 वर्ष
प्रश्न: ओलंपिक खेल का आयोजन कितने वर्ष के अंतराल पर होता है ? उत्तर: 4 वर्ष
प्रश्न: आरबीआई का मुख्यालय कहां स्थित हैं ?
उत्तर: मुंबई
प्रश्न: मोहिनीअट्टम कहां का शास्त्रीय नृत्य है ?
उत्तर: केरल
प्रश्न: पृथ्वी के सबसे नजदीक ग्रह कौन है ?
उत्तर: शुक्र

थर्मामीटर में चमकने वाला पदार्थ क्या है ?
उत्तर:- पारा
बिजली के हीटर मे किस धातू का तार होता है ?
उत्तर:- नाइक्रोम का तार
मानव शरीर में टीबिया [Tibia] नामक हड्डी पायी जाती है ?
उत्तर:- टांग में
दाँतों और हड्डियों की संरचना के लिये आवश्यक तत्व है ?
उत्तर:- कैल्सियम एवं फॉस्फोरस
रूधिर को थक्का जमने में सहायक होता है ?
उत्तर:- प्लेटलेट्स, विटामिन K

7. शब्द ज्ञान

हिंदी- अंगेजी

ये वाला –	This one.	हिलो मत –	Donot move.
वो वाला –	That one.	जाकर खेलो –	Go and play.
ऊपर जाओ -	Go up stairs.	नहा लो –	Take bath.
इसे चखो –	Taste it.	इसे करो –	Do it.
अभी –	Right now.	इसे जल्दी करो –	Do it fast.

8. तर्क ज्ञान

इस श्रृंखला को देखें: 7, 10, 8, 11, 9, 12, ... इसके बाद कौन सी संख्या आनी चाहिए?

10

9. कंप्यूटर ज्ञान

हार्डवेयर

आपके कंप्यूटर का कोई भी भाग होता है जिसमें भौतिक संरचना शामिल होती है, जैसे कीबोर्ड या माउस। इसमें कंप्यूटर के सभी आंतरिक भाग भी शामिल हैं,

10. प्रेरक प्रसंग

एक बार एक राजा ने एक छोटा सा प्रयोग करने का फैसला किया। उसने सड़क के बीचों-बीच एक विशाल पत्थर रखवा दिया। फिर वह उस पत्थर के पास छिप गया, यह देखने के लिए कि कौन, अगर कोई है, तो उसे रास्ते से हटाने की कोशिश करेगा।

सबसे पहले, कुछ धनी व्यापारी वहाँ से गुज़रे। वे उस चट्टान के चारों ओर घूमते हुए शिकायत कर रहे थे कि राजा सड़कों का रखरखाव ठीक से नहीं कर रहा है।

तभी एक किसान अपने परिवार के लिए खाने की चीज़ें लेकर घर की ओर जा रहा था। जब उसकी नज़र उस पत्थर पर पड़ी, तो उसने अपना सामान नीचे रख दिया और उसे सबके रास्ते से हटाने की कोशिश की। उसे उसे हटाने में थोड़ा वक़्त लगा, **लेकिन आखिरकार वह कामयाब हो गया।** यदि आप चुनौतीपूर्ण क्षणों से गुजरने में सक्षम हैं, तो आप प्रयास शुरू करने से पहले की तुलना में कहीं बेहतर स्थिति में होंगे।

जब किसान ने घर ले जाने के लिए अपना सामान इकट्ठा किया, तो उसने सड़क के बीच में एक थैला पड़ा देखा, ठीक उसी जगह पर जहां पहले वह पत्थर रखा हुआ था। उसने थैला खोला तो पाया कि वह **सोने के सिक्कों से भरा हुआ** था , साथ ही राजा का एक पत्र भी था जिसमें लिखा था कि थैले में रखा सोना किसान के लिए इनाम है। राजा ने यह उपहार इसलिए दिया क्योंकि किसान ने भविष्य में उस सड़क पर यात्रा करने वाले अन्य लोगों की सुविधा के लिए सड़क से पत्थर हटाने में समय और ऊर्जा लगाई थी।

नैतिक:

इस कहानी में किसान को राजा ने सिखाया कि तुम्हारे सामने आने वाली हर बाधा तुम्हें सुधार का अवसर प्रदान करती है। यदि आप चुनौतीपूर्ण क्षणों से गुजरने में सक्षम हैं, तो आप प्रयास शुरू करने से पहले की तुलना में कहीं बेहतर स्थिति में होंगे।

यह कहानी व्यक्तिगत जिम्मेदारी का भी सबक देती है। अगर आपको लगता है कि आपके सामने कोई काम है, तो उसे अगले व्यक्ति पर मत छोड़िए। बल्कि, आगे बढ़कर उस काम को पूरा कीजिए ताकि आपके बाद आने वाले लोगों की मदद हो सके।

11. बूझो तो जानें

आप दौड़ लगा रहे हैं और फिनिश लाइन से ठीक पहले आप दूसरे स्थान पर रहने वाले व्यक्ति से आगे निकल जाते हैं। आपने दौड़ किस स्थान पर पूरी की?

(जवाब: दूसरे स्थान पर)

वह क्या है जो छिद्रों से भरा है लेकिन फिर भी पानी को रोके रखता है?

(जवाब: स्पंज)

विभागीय सूचनाएं

- सभी मध्य विद्यालय के विज्ञान /गणित पढ़ाने वाले/नामित शिक्षकों अगस्त माह का प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग अंतर्गत MIP **3.4** को दिनांक 28.08.2025 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करना सुनिश्चित करेंगे l
- सभी मध्य विद्यालय और उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक इंस्पायर अवार्ड से संबंधित 05 बच्चों के प्रोजेक्ट को इंस्पायर अवार्ड के वेबसाइट पर नॉमिनेशन करते हुए पंजीकरण अनिवार्य रूप से दिनांक 31.08.2025 तक पूर्ण करना सुनिश्चित करेंगे l
- विभाग से प्राप्त निर्देश के अनुसार सभी प्राथमिक/मध्य विद्यालय और उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक द्वारा E-shikshakosh पर वि.शि. समिति / विद्यालय प्रबंधन एवं विकास समिति /विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों के आंकड़ों की प्रविष्टी दिनांक 31.08.2025 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कर ली जाए I
- सभी प्राथमिक/मध्य विद्यालय और उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक E-shikshakosh पर नामांकित सभी बच्चों के 01 अप्रैल से 31 जुलाई 2025 तक के 75% उपस्थिति वाले छात्रों की मार्किंग दिनांक 27.08.2025 तक पूर्ण करना सुनिश्चित करेंगे l
- सभी प्राथमिक/मध्य विद्यालय और उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक U-Dise Plus पर नामांकित सभी छात्रों की इंट्री कराने के साथ-साथ उनके प्रोफाइल अपडेट के दौरान AP,EP,GP का कार्य दिनांक 31.08.2025 तक पूर्ण करना सुनिश्चित करेंगे l
- सभी प्राथमिक /मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक अवगत होंगे कि सितम्बर 2025 में दिनांक 10.09.2025 से अर्द्ध वार्षिक परीक्षाएं संचालित होंगी l अतएव सभी विषयों का सिलेबस पूर्ण करा लें और इसकी सूचना छात्रों और अभिभावकों को दे देंगे l
- सभी प्राथमिक/मध्य/उच्च एवं प्राइवेट विद्यालय के प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया जाता है कि विद्यांजली पोर्टल पर अपने-अपने विद्यालय का पंजीकरण दिनांक 28.08.2025 तक अनिवार्य रूप से करा लें I जिले कुछ प्राइवेट और सरकारी विद्यालय अभी तक विद्यांजली पोर्टल पर पंजीकरण नहीं कराया है I

"हर सुबह एक नया सत्र, हर दिन एक नई प्रेरणा"

कैमूर चेतना - सत्र टीम
संपर्क सूत्र : 8271039022
9973725565